सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

» Pg12

माटी की खुशबू से महका खादी भवन, हुनरमंदों ने लूटी वाहवाही

कानपुर, सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 270, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा बनी सियासत का केंद्र... » Pg02

टैक्स चोरी के मामले में हो रही बड़ी कार्रवाई

यूपीः मीट कारोबारियों पर आयकर का छापा!

अनुमति से अधिक पशुओं के कटान की भी हो रही जांच

बरेली, संभल और हापुड़ में मचा हड़कंप, 70 गाड़ियों में पहुंचीं आईटी और ईडी की टीमें, 30 से अधिक ठिकानों को खंगाला

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार तड़के मीट कारोबार से जुड़े प्रमुख व्यापारियों के ठिकानों पर इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग की संयुक्त टीमों ने बड़ी कार्रवाई की। टीमों ने संभल, बरेली और हापुड़ में एक साथ छापेमारी की। बताया जा रहा है कि 70 से अधिक वाहनों में अफसरों की टीमें रवाना हुईं, जो सुबह से ही कारोबारियों के आवासों, फैक्ट्रियों और दफ्तरों की तलाशी ले रही हैं।

» बरेली में रहबर फूड फैक्टरी पर आयकर का छापा।

संभल में मीट का कारोबार करने वाली इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को छापे मारे। कंपनी के बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत एक दर्जन से अधिक शहरों के 30 से ज्यादा ठिकानों को खंगाला जा रहा है। आयकर विभाग, लखनऊ की जांच इकाई ने यह कार्रवाई की है। छापे की कार्रवाई अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकती है।

बता दें कि इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बताया जाता है। कंपनी द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी अंजाम दिए जाने की शिकायतों के बाद जांच इकाई बीते कई दिनों से सुराग जुटा रही थी। इस बाबत पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद छापे मारकर दस्तावेजी सुबूत जुटाने की कवायद की गई है। आयकर विभाग के 100 से अधिकारी एवं कर्मचारी पीएसी बल के साथ कंपनी के ठिकानों को खंगाल रहे हैं और संचालकों एवं निदेशकों से पूछताछ कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग यह भी पता लगा रहा है कि कंपनी द्वारा अनुमति से अधिक पशुओं का कटान तो नहीं किया जा रहा है। दरअसल, बीते वर्षों में मीट कारोबारी कंपनियों के ठिकानों पर छापे के दौरान इसके पुख्ता प्रमाण मिले थे, जिसमें स्थानीय प्रशासन और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की संलिप्तता भी सामने आई थी। खासकर बरेली की एक कंपनी में तो बड़े पैमाने पर बिना अनुमति पशुओं को खरीदा जा रहा था और उनका कटान कर मीट बेचा जा रहा था।

बरेली में आयकर विभाग की टीम ने नरियावल स्थित रहबर फूड फैक्टरी पर छापा मारा, जिससे वहां पर मौजूद लोगों में खलबली मच गई। सोमवार सुबह करीब सात बजे तीन गाड़ियों से आयकर की 10 सदस्यीय टीम यहां पहुंची। टीम ने फैक्टरी परिसर में मौजूद कर्मचारियों के फोन जब्त कर लिए। फैक्टरी का गेट बंद करा दिया गया। अंदर टीम ने जांच शुरू कर दी। संभल में मीट का कारोबार करने वाली इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी से जुड़े मामले में यह कार्रवाई हुई है।

फैक्टरी में बनते हैं इंडियन फ्रोजन के उत्पाद

जानकारी के मुताबिक संभल में संचालित इंडिया फ्रोजन कंपनी पर सुबह आयकर और ईडी की टीमों ने छापा मारा। इस कंपनी के तार जहां-जहां से जुड़े हैं, वहां जांच हो रही है। बरेली के नरियावल में रहबर फूड फैक्टरी है। बताया जाता है कि इस फैक्टरी को इंडिया फ्रोजन ने लीज पर ले रखा है। यहां उसके उत्पाद बनते हैं। रहबर फूड फैक्टरी के मालिक फिरोज शेख बताए गए हैं, जो मुंबई में रहते हैं। रहबर फूड फैक्टरी में मारिया फ्रोजन की पार्टनरशिप है।

हाजी इमरान और हाजी इरफान के ठिकानों पर छापा

संभल और गाजियाबाद में आयकर विभाग ने हाजी इमरान और हाजी इरफान के घर और फैक्ट्री पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि इमरान और इरफान की कंपनी इंडिया फ्रोजन फूड्स का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये का है। टीम ने कंपनी के चार वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों पर भी कार्रवाई की है।

बरेली में शकील कुरैशी की मार्या फ्रोजन पर तलाशी अभियान

बरेली में मार्या फ्रोजन कंपनी के मालिक शकील कुरैशी के ठिकानों पर जांच चल रही है। जानकारी के मुताबिक, संभल स्थित इंडिया फ्रोजन की बिल्डिंग के मालिक भी शकील ही हैं।

दिलजले ने जलाया शरीर

आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से था नाराज

शादी की टेंशन में युवक ने सीएम आवास के पास खुद को लगाई आग

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग तिराहे के पास सोमवार को एक युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। इस खबर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वहीं मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल आग बुझाकर उसकी जान बचा ली। झुलसे युवक को सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है।

पुलिस के अनुसार युवक की पहचान बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के उजरवारा पुरवा निवासी शिवम कुमार वर्मा (30 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मानसिक तनाव में था। उसकी गर्लफ्रेंड ने शादी से इनकार कर दिया था और उसकी शादी शिवम के दोस्त सौरभ मिश्रा से तय हो गई थी।

इसी बात को लेकर शिवम के दोस्तों से उसका विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। चार्जशीट दाखिल होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से वह पुलिस कार्रवाई से नाराज था। इसी गुस्से में वह लखनऊ पहुंचा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की कोशिश कर रहा था।

विक्रमादित्य मार्ग तिराहे के पास पहुंचते ही उसने खुद को आग लगा ली। मौके पर मौजूद बंदरियाबाग चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आदित्य सिंह और पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई और युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने बताया कि शिवम के हाथ और पैरों के निचले हिस्से झुलस गए हैं। वह इस समय बोलने की स्थिति में नहीं है। परिवार के लोगों को सूचना दे दी गई है और वे बाराबंकी से लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने मामला विवाद और रंजिश से जुड़ा पाया है। अधिकारियों का कहना है कि घटना की पूरी जांच की जा रही है।

गरमाती सियासत

(कानपुर में राजनीतिक घमासान तेज)

गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा बनी सियासत का केंद्र

» निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले कानपुर का सियासी तापमान अब धीरे-धीरे चढ़ना शुरू हो गया है। इसकी झलक सोमवार को शहर के व्यस्त नरोना चौराहा, माल रोड पर देखने को मिली, जहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पत्रकार प्रवर अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया।

दरअसल, मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान विद्यार्थी जी की प्रतिमा को अस्थायी रूप से हटा दिया गया था। मेट्रो का अंडरग्राउंड सेक्शन पूरा होने और ट्रायल शुरू होने के बावजूद प्रतिमा को अब तक नहीं लगाया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों और राजनीतिक दलों में नाराजगी है। इसी मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेयी ने सोमवार को प्रतिमा खोजो अभियान के तहत जोरदार प्रदर्शन किया।

सपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मेट्रो प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही प्रतिमा नहीं लगाई गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी जी सिर्फ कानपुर नहीं, पूरे देश की पत्रकारिता और स्वतंत्रता आंदोलन के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा को यूं गायब रखना शहर का अपमान है। मेट्रो का काम पूरा हो चुका है, अब बहाने नहीं चलेंगे।

वहीं, जैसे ही सपा का प्रदर्शन शुरू हुआ, भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया। स्थानीय भाजपा पार्षद विकास जायसवाल समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और कहा कि सपा इस मुद्दे पर सस्ती राजनीति कर रही है । हमारी सरकार और मेट्रो प्रशासन पहले से प्रतिमा को पुनः स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। समाजवादी पार्टी मुद्दों की राजनीति कर रही है। विद्यार्थी जी सभी के हैं, किसी दल के नहीं हैं,

दोनों दलों के बीच जमकर नारेबाजी हुई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण भी रहा, हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित रही।

बाद में मेट्रो प्रोजेक्ट अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से बातचीत की और एक महीने के भीतर विद्यार्थी जी की प्रतिमा को पुनः स्थापित करने का आश्वासन दिया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विद्यार्थी जी की प्रतिमा सिर्फ एक स्मारक नहीं, बल्कि शहर की पहचान है।

विद्यार्थी जी ने इस शहर की पत्रकारिता को नई दिशा दी थी। उनकी प्रतिमा वापस लगना पूरे कानपुर के आत्मसम्मान का सवाल है, ।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विवाद शहर की राजनीति का शुरुआती संकेत है। विधानसभा चुनावों से पहले मुद्दों को साधने और जनभावनाओं को दिशा देने की कवायद दोनों ही दलों ने शुरू कर दी है।

गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमा का यह मुद्दा अब महज सांस्कृतिक या प्रशासनिक नहीं रह गया है — यह कानपुर की राजनीति का पहला सियासी रणक्षेत्र बन चुका है। अब देखना यह होगा कि प्रतिमा कब तक लगती है और किसे इसका श्रेय मिलता है — सपा को, भाजपा को, या मेट्रो प्रशासन को।

आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेयी के 'प्रतिमा खोजो अभियान' से गरमाया माहौल

धरना देते सपा के वरिष्ठ विधायक अमिताभ बाजपेई

भाजपा पार्षद ने भी खोला मोर्चा, मेट्रो अधिकारियों ने एक महीने में मूर्ति लगाने का दिया आश्वासन

भाजपा पार्षद विकास जायसवाल ने धरने का विरोध किया

कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल मन्नान का इंतकाल, शोक की लहर

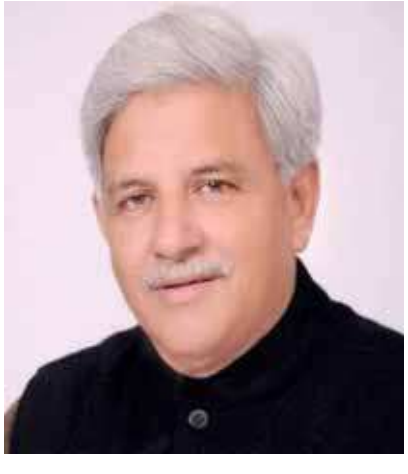

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कांग्रेस परिवार के लिए दु:खद समाचार है कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव रहे एवं कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जनाब अब्दुल मन्नान का आज सोमवार, 13 अक्टूबर को आकस्मिक निधन हो गया।जनाब मन्नान लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे और उन्होंने कानपुर में पार्टी को मज़बूती देने में अहम योगदान दिया था। उनके निधन की खबर से पूरे राजनीतिक एवं सामाजिक जगत में शोक की लहर है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण संदीप शुक्ला ने बताया कि जनाजा बाद नमाज़-ए-ईशा रात 8:30 बजे उनके निवास स्थान रज़वी रोड से बड़ी ईदगाह, बेनाझावर के लिए रवाना होगा।

कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की मगफिरत की दुआ की है।

बिसातखाना बम धमाके के बाद से फरार खिलौना व्यापारी गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिसातखाना में आठ अक्तूबर को जिस खिलौना व्यापारी बिलाल की दुकान के बाहर धमाका हुआ था उसे मूलगंज पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को इलाके के बरगदेश्वर मंदिर के पास से पकड़ा है। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इंस्पेक्टर पवन सिंह ने बताया कि धमाके के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज की थी। इसके बाद से वह पुलिस से छिपता फिर रहा था।धमाके की जांच में जुटी पुलिस ने बिलाल की दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की थी। फुटेज से साफ हो गया था कि धमाका दुकान के बाहर रखे गत्ते में चिंगारी उठने के बाद हुआ था। पहले स्कूटी में धमाका होने का अंदेशा जताया गया था।

जांच में स्कूटी चोरी की निकलने पर इसे आतंकी साजिश का भी हिस्सा माना गया। दीपावली से ठीक पहले हुए इस धमाके के बाद पुलिस से लेकर एनआईए तक जांच एजेंसी विस्फोटक की जांच का पता लगाने में जुट गईं थीं।धमाका अवैध पटाखों के भंडारण से हुआ था जांच में इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने पटाखों की जमाखोरी के खिलाफ पूरे शहर में अभियान चला रही है।

अब तक शहर में मूलगंज, कोतवाली, फजलगंज, नौबस्ता, गोविंदनगर, सचेंडी, स्वरूपनगर, चकेरी आदि इलाकों में करीब 350 क्विंटल अवैध पटाखा पकड़ा गया है।

बारा टोल प्रबंधन की 'पथरीली नीतियां' से बढ़ी मुश्किलें

» बारा टोल की मनमानी से बढ़ रहा हादसों का खतरा

नेशनल हाइवे पर अराजकता और लापरवाही का दिखता है बोलबाला

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया कानपुर।

कानपुर देहात जिले से गुजरने वाले नेशनल हाइवे-2 पर हादसों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। बारा गांव के पास संचालित टोल प्लाजा प्रबंधन की मनमानी और लापरवाही ने इस हाइवे को फखतरे का हाइवेफ बना दिया है। टोल कंपनी ने सुरक्षा और सुविधा की अनदेखी करते हुए टोल के दोनों छोर पर भारी-भरकम पत्थर (बोल्डर) लगवा दिए हैं, जिससे हाइवे का बड़ा हिस्सा ब्लॉक हो गया है। नतीजा – वाहनों की लंबी कतारें, जाम की स्थिति और हर पल हादसे का खतरा।

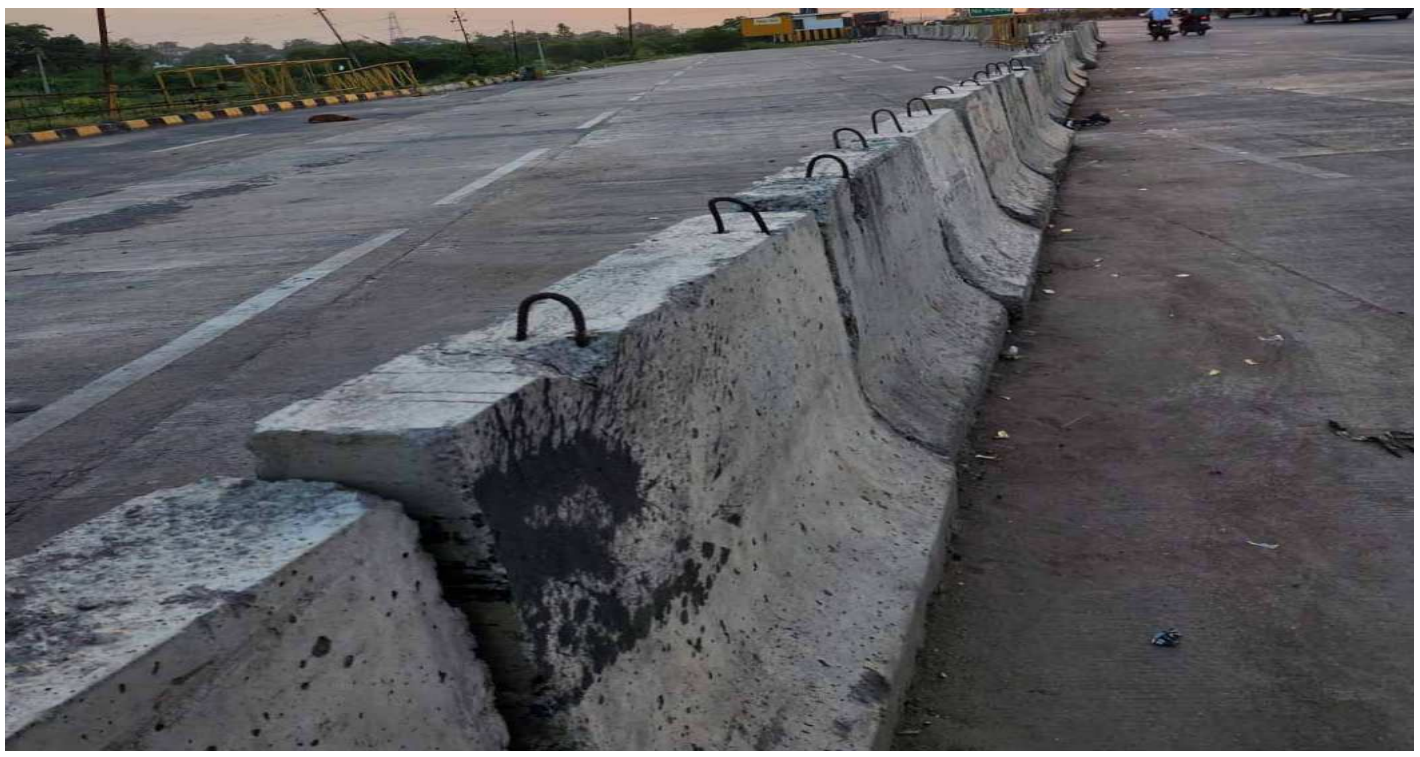

बारा टोल के दोनों ओर लगाए गए बोल्डर अब वाहन चालकों के लिए नई मुसीबत बन चुके हैं। ट्रक और डंफर टोल से पहले और बाद में खड़े हो जाते हैं, जिससे हाइवे की लेन संकरी हो गई है। कई जगह ट्रैफिक रुकने और वाहनों के टकराने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बारा गांव की ओर बने पब्लिक टॉयलेट के पास पहले वाहन खड़ा करने की थोड़ी जगह बची थी, लेकिन अब बोल्डर लगाकर पार्किंग एरिया भी खत्म कर दिया गया है। ड्राइवर अब मजबूर होकर हाइवे पर ही वाहन रोकते हैं — जिससे हर वक्त बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

देश की राजधानी और औद्योगिक शहरों को जोड़ने वाला यह राष्ट्रीय राजमार्ग अब मौत का मार्ग बनता जा रहा है। सवाल यह उठता है कि आखिर टोल वसूली करने वाली कंपनियों को इतनी छूट क्यों दी जा रही है?

क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

जब तक बारा टोल प्रबंधन की मनमानी और एनएचएआई की लापरवाही पर लगाम नहीं लगती, तब तक यह हाइवे यात्रियों के लिए 'खतरे का सफर' बना रहेगा।

देश के सबसे व्यस्त मार्गों में एक – लेकिन सुविधाएं नदारद

एनएच-2 से रोजाना मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों के हजारों वाहन गुजरते हैं। यह हाइवे उत्तर भारत की औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों की जीवनरेखा माना जाता है।इसके बावजूद बारा टोल प्रबंधन सुविधा के नाम पर लापरवाही की हद पार कर चुका है। यात्रियों के लिए सुरक्षित लेन, आपातकालीन सेवाओं और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था नदारद है। टोल कर्मियों का रवैया भी अकसर मनमाना बताया जाता है।

सांसद के पंप के सामने 'खतरनाक कट' – हादसों की खुली दावत

बारा टोल से करीब 500 मीटर दूर भाजपा सांसद के पेट्रोल पंप के सामने हाइवे पर एक 'कट' बना हुआ है। यह कट न केवल नियमों के खिलाफ है, बल्कि यह मौत को दावत देने जैसा है। भारी वाहन अचानक मुड़ते हैं और कई बार टक्कर की घटनाएं हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि जब चकेरी से लेकर इटावा तक लगभग सभी कट बंद कर दिए गए, तो यह कट क्यों खुला है? लोग इसे राजनीतिक दबाव का परिणाम मान रहे हैं। एनएच प्रबंधन इस खतरनाक कट पर आंखें मूंदे बैठा है।

मिलावट को लेकर खाद्य विभाग टीम की छापेमारी

» 550 किलो खोया, 150 किलो पनीर नष्ट किया

» तेल और गजक जब्त कर नमूने जांच को भेजे

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज पर्व के मद्देनजर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी प्रताप सिंह के निर्देश पर यह अभियान सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संचालित किया जा रहा है।अभियान के तहत 12 अक्टूबर को की गई प्रवर्तन कार्रवाई में 3 लाख 18 हजार रुपए की खाद्य सामग्री सीज कर नष्ट की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जनपद के विभिन्न प्रतिष्ठानों और निर्माण स्थलों से कुल 9 नमूने संकलित किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है।कार्रवाई के दौरान खराब खोया और पनीर नष्ट किया गया, जबकि तेल और गजक को सीज कर दिया गया। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को गुणवत्तापूर्ण और शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराना है।

1. घाटमपुर, कानपुर नगर में अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित 248 लीटर खाद्य तेल (अनुमानित मूल्य 44,640/-) को सीज किया गया।
2. फजलगंज, कानपुर नगर में अस्वच्छ स्थिति में रखे 270 नग (216 किग्रा) गजक (अनुमानित मूल्य 40,000/-) को सीज किया गया।
3. एक्सप्रेस रोड एवं फजलगंज से बरामद 550 किलोग्राम खराब एवं बदबूदार खोया (अनुमानित मूल्य 1,98,000/-) को नष्ट किया गया।
4. बिठूर, कानपुर नगर में गंदे ड्रमों में पानी में डुबोकर लाया जा रहा 150 किलोग्राम पनीर (अनुमानित मूल्य 36,000/-) को अनुपयुक्त पाए जाने पर नष्ट किया गया।

इन दुकानों की हुई जांच

1 खोया एक्सप्रेस रोड, कैनाल रोड, कानपुर नगर
2 खोया नौबस्ता, कानपुर नगर
3 खोया फजलगंज, कानपुर नगर
4 गजक फजलगंज, कानपुर नगर
5 सरसों का तेल रेकना, घाटमपुर
6 सरसों का तेल रेकना, पाटनपुर
7 पनीर घाटमपुर, कानपुर नगर
8 पनीर पाटनपुर, कानपुर नगर
9 पनीर बिठूर, कानपुर नगर
जब्त एवं नष्ट की गई सामग्री ...

मालों की मिट्टी से उठी कला की खुशबू, दिखे कुम्हारी के रंग!

एसडीएम ने खरीददारी करके बढ़ाया कारीगरों का हौसला, सुनी गईं समस्याएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। ग्रामीण प्रतिभा और परंपरागत कला को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रविवार को बिल्हौर तहसील के चौबेपुर ब्लॉक के ग्राम मालों में कुम्हारी कला प्रदर्शनी एंव चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने की, जबकि संचालन अनुभव चंद्रा ने किया। ग्राम सभा मालों के कुम्हार कलाकारों ने अपने हाथों की अनोखी कला से सबका दिल जीत लिया। प्रदर्शनी में मिट्टी से बनी गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, दीपक, अगरबत्ती स्टैंड, मटकी, घड़ा, केतली, गुड्डा-गुड़िया, कुबेर और भगवान शंकर की मूर्तियां आदि लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहीं। एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने कारीगरों की सराहना करते हुए उनकी बनाई मूर्तियां खरीद कर सम्मानित किया। जिससे कारीगरों का मनोबल और उत्साह दोनों बड़ा।

चौपाल में शिल्पकारों ने बिखेरी अपनी प्रतिभा

चौपाल के दौरान ग्राम के राघवेद्र यादव ने ग्राम आबादी के ऊपर से गुजरी विद्युत लाइन की समस्या रखी। जिस पर एसडीएम ने तत्काल अधिशाषी अभियंता विद्युत से फोन पर वार्ता कर कार्रवाई के निर्देश दिए। कुम्हार समुदाय द्वारा मिट्टी उठाने में आ रही दिक्कतें और बर्तन निर्माण में संसाधनों की कमी की बात रखी गई। जिसका मौके पर ही समाधान कराया गया। साथ ही जिला ग्राम उद्योग अधिकारी को विद्युत चाक उपलब्ध कराने,सरकारी योजनाओं से लाभ दिलाने और कारीगरों के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के समापन पर उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने कहा गांव की असली पहचान परंपरागत कलर और मिट्टी से जुड़ी मेहनतकश हस्तियों से होती है।ऐसे कलाकार समाज की धरोहर हैं। इस दौरान मौके पर ग्राम प्रधान छोटे चैरसिया,पूर्व प्रधान मनोज कुमार मिश्रा समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तरीपुरा : लोन दिलाने के नाम पर महिलाओं से ठगी, दो युवक फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तरीपुरा चौकी क्षेत्र में लोन दिलाने के नाम पर कई महिलाओं से ठगी का मामला सामने आया है। दो अज्ञात युवकों ने स्वयं को लक्ष्मी फिनकॉर्प कॉरपोरेशन लिमिटेड, शिवराजपुर शाखा का प्रतिनिधि बताकर महिलाओं को बैंक से समूह के माध्यम से 50-50 रुपए हज़ार का लोन दिलाने का झांसा दिया।

पीड़ति महिलाओं पूनम, तनु, शारदा, यशोदा, गोमती, माया, रामकुमारी, सुमन और आरती ने बताया कि युवकों ने लोन प्रक्रिया के लिए प्रत्येक से ?2945 फॉर्म फीस के नाम पर वसूले। दोनों युवकों ने दावा किया कि उनके खातों में शीघ्र ही राशि स्थानांतरित कर दी जाएगी।

हालांकि जब महिलाएं बताए गए पते पर शिवराजपुर पहुंचीं, तो वहां लक्ष्मी फिनकॉर्प कॉरपोरेशन लिमिटेड नाम की कोई शाखा नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने भी ऐसी किसी संस्था के बारे में जानकारी से इंकार कर दिया। तब जाकर महिलाओं को एहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हो चुकी हैं। इसके बाद सभी पीड़ति महिलाएं उत्तरीपुरा चौकी पहुंचीं और पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर शिवराजपुर में भव्य पथ संचलन

शिवराजपुर, बिल्हौर(कानपुर)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर शिवराजपुर कस्बे में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, संगठन और अनुशासन की भावना के साथ-साथ अखंड भारत का संदेश आम जनता तक पहुंचाया गया।

पथ संचलन भूतेश्वर मंदिर से शुरू होकर राजा सती प्रसाद गढ़ी, गंगा रोड, माता मान शिला मंदिर मार्ग, बिलहन रोड और बसेन मोड़ से होते हुए निकला। इसमें बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर समेत सैकड़ों संघ कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और मार्ग में लगे लोगों ने इसका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शिवराजपुर थाना प्रभारी वरुण शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल उपस्थित रहा। इस अवसर पर रमेश कुशवाहा, मनी त्रिवेदी, शिवम, अभिषेक विश्वकर्मा समेत कई कई भाजपाई व संघ के लोग मौजूद रहे।

होम्योपैथी गांव तक पहुंचाने के लिए डॉ. रौनक की अनूठी पहल

» कम खर्च में मरीजों को लाभ देने की कोशिश।

» बोले होम्योपैथी में शरीर से ज्यादा मन की भूमिका।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। बकोठी गाँव के युवा डॉक्टर रौनक ने होम्योपैथी की पहुंच ग्रामीण इलाके के हर घर तक बनाने के लिए अनूठी पहल की है। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की मदद से कम से कम खर्च में ग्रामीणों को महंगे इलाज से बचाकर होम्योपैथी से जोड़ने का अभियान चलाया है। इसके लिए घर के बुजुर्गों को साथ लाने पर उन्होंने इलाज में पचास फीसदी छूट दिए जाने की बात कही है।

कल्याणपुर- बिठूर रोड पर बैरी इलाके में नव स्थापित स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन समारोह के अवसर पर डॉक्टर रौनक ने बताया कि हमें होम्योपैथी ननिहाल पक्ष से विरासत में मिली है। हम विभिन्न नई खोजों और मनोवैज्ञानिक तरीकों से लोगों का इलाज करेंगे। उन्होंने कहा कि आज की अधिकांश बीमारियां मानसिक रूप से शुरू होती है और बाद में शारीरिक रूप से प्रकट होती हैं। कहा कि यदि समय और विधिवत तरीकों से इनका इलाज किया जाए तो आसानी से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांव और शहर के परिवेश में आज भी काफी अंतर है। जहां गांव का आदमी कम कमाई करके भी खुश है वहीं शहर का आदमी ज्यादा कमाकर भी खुश नहीं है। और तनाव में जी रहा है।

जिससे वह बीमारियों की चपेट में आ गया है। कोविड काल में मरीजों को मुफ्त में दवाएं देकर डॉक्टर रौनक ने लोगों के बीच अलग पहचान बनाई। थोड़ी सी बातचीत करके वह मरीज के बारे में जानकारी जुटा लेते हैं। इसके बाद वैज्ञानिक ढंग से उसका इलाज करते हैं। जिससे मरीज को लाभ मिलता है।

कोविड काल में मरीजों को मुफ्त में बांटी दवाएं

बीमारी नहीं बीमार का किया जाता है इलाज

डॉ0 रौनक ने मौके पर उपस्थित लोगों को बताया कि होम्योपैथी बीमारी नहीं बल्कि बीमार का इलाज करती है। जिससे मरीज को कम समय में ही लाभ मिल जाता है। उन्होंने कहा कि वह यह इलाज स्थायी होता है। जिसमें मरीज की काउंसलिंग करके उसके मन, शरीर और वृत्तियों की जानकारी की जाती है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य निर्धारित

लगातार ग्लोबल वार्मिंग संकट से जूझती दुनिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। केंद्र सरकार के गत सप्ताह की शुरुआत में अधिसूचित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य नियम, भारत में औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा रहा है। इन नियमों ने कार्बन-प्रधान उद्योगों के लिये देश के पहले कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन न्यूनतम करने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। ऐसे में, जो उत्पादन इकाइयां अपने निर्धारित लक्ष्य से कम कार्बन का उत्सर्जन करती हैं

, वे व्यापार योग्य कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर निर्धारित लक्ष्य से अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली इकाइयों को भारतीय कार्बन बाजार से समतुल्य क्रेडिट खरीदना होगा या फिर जुर्माना देने को बाध्य होना होगा। दरअसल, एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी एवं कागज आदि क्षेत्रों की 282 औद्योगिक इकाइयों को 2023-24 के आधार रेखा स्तर से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि पहले अनुपालन चक्र में कुछ बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिसमें वेदांता, हिंडाल्को, नाल्को और बाल्को द्वारा संचालित एल्युमीनियम स्मेल्टर और अल्ट्राटेक, डालमिया, जे.के सीमेंट, श्री सीमेंट और एसीसी के स्वामित्व वाले बड़े सीमेंट संयत्र शामिल हैं। निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने एक सख्त संदेश दिया है कि बड़े औद्योगिक घरानों को हरित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अनुकरणीय उदाहरण पेश करना होगा।

यदि ये ताकतवर बड़े घराने हरित लक्ष्यों की पूर्ति के लिये सार्थक पहल करते हैं तो आम लोगों को भी उससे प्रेरणा मिलेगी।यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। जिसमें चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, नये नियम, जो उद्योगों को उत्सर्जन कम करने के लिये प्रोत्सहित करते हैं, उनके औद्योगिक प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार ऊर्जा दक्षता योजना पर आधारित हैं। जिसने ऊर्जा-बचत के लक्ष्य निर्धारित किए। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिसे दंड लगाने और समयबद्ध निगरानी व वसूली का काम सौंपा गया है,

को कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से कार्य करने की आवश्यकता है।

इस बाबत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े औद्योगिक दिग्गजों के प्रतिरोध के लिये पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

यह बात उत्साहजनक है कि भारत ने इस वर्ष पहली छमाही में पहले से कहीं अधिक सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन किया।

अफ़ग़ान महिलाओं के अधिकारों का यक्ष प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के दौरे के दौरान तालिबान शासन के प्रति भारत की नीति में बेहतर व अहम बदलाव के संकेत मिले हैं। हालांकि वहां महिलाओं के अधिकारों खासकर शिक्षा व समानता जैसे मुद्दों को भी संबोधित करना जरूरी है।'क्या आप करवा चौथ का व्रत रखती हैं'? यहां कोई गलती न रहे, यह महज एक 'गुगली' है, न कि एक सवाल, जो सालों से उत्तर भारतीय महिलाओं से पूछा जाता रहा है। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि अगर आप रखती हैं तो आपका मजाक बनाया जाएगा (नारीवादियों द्वारा कनखियों से देखते हुए) या अगर नहीं रखती हैं तो भी हिकारत से देखा जाएगा (मध्य वर्गीय भारत के बढ़ते संस्कृतिकरण की वजह से, जिसका मानना है कि किसी भी पहेली का सिर्फ़ एक ही जवाब हो सकता है), बल्कि इसलिए कि यह सवाल अपने आप में संकुचित है। इस पर चुप्पी साधना बेहतर। बढ़िया रहेगा कि रूही तिवारी द्वारा हाल ही में लिखी गई किताब 'महिलाएं क्या चाहती हैं' पढ़ें।

सुश्री तिवारी की किताब भारत में 'महिला मतदाता को समझने' के बारे में है, लेकिन सवाल का परिदृश्य बृहद है। अगर आपमें कल्पनाशीलता है, तो आप इसके दायरे को और भी व्यापक बना सकते हैं, जिसमें पड़ोसी अफ़ग़ानिस्तान भी शामिल है, जहां का तालिबान शासन अपनी ही महिलाओं के ख़िलाफ़ सबसे दमनकारी कार्रवाइयां चलाए हुए है। दरअसल, दिल्ली से खबर आई थी कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी, जो भारत के छह दिवसीय दौरे पर हैं और इस दौरान वे प्रेम के प्रतीक ताजमहल और देवबंद मदरसे का भी दौरा करेंगे, पर उन्होंने बीते शुक्रवार को राजधानी में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी भारतीय महिला पत्रकार की मौजूदगी पर रोक लगा दी।शायद मुत्ताकी को इस बात की चिंता थी कि उन्हें भारतीय महिलाओं के साथ वार्तालाप करते देख स्वदेश में क्या संदेश जाएगा।

भले ही प्रेस वार्ता अफ़ग़ान दूतावास में हुई थी, जोकि तकनीकी रूप से अफ़ग़ानिस्तान की धरती है, तालिबान नेता ने अपने देश की आधी आबादी को यह संकेत देने का एक बड़ा मौका गंवा दिया कि अफ़ग़ानिस्तान के इस्लामी अमीरात को अंधकारमय युग से बाहर निकलने का एक और छोटा-सा मौका क्यों दिया जाना चाहिए। क्या पता, भारतीय महिला पत्रकार मुत्ताकी से ऐसा कुछ पूछ बैठतीं जिसका उनके पास कोई जवाब न होता - मसलन, अफ़ग़ान महिलाएं क्या चाहती हैं? और अगर उनकी हसरत अपना हक पाने भर की है, तब कंधार के मुल्ला उन्हें वह क्यों नहीं देते? लेकिन, अगर आप वाकई देखना चाहें, तो तमाम जवाब मौजूद हैं। यह लेखिका अगस्त 2022 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्ज़ा किए जाने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर वहां मौजूद थी, और इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय के आईसीयू में यह देखने गयीं कि महिला नर्सें और डॉक्टर सबसे कठिन मामलों से कैसे निबटते हैं। आईसीयू साफ़ और सैनिटाइज्ड था। महिला डॉक्टरों और नर्सों ने वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन चेहरे ढके हुए नहीं। वहां वे जान बचाने को थीं, खासकर जिंदगी की लड़ाई लड़ते नवजात शिशुओं की, इसलिए नहीं कि वे महिला थीं, बल्कि इसलिए कि उनके पास ये कौशल, विशेषज्ञता व प्रतिबद्धता थी।

शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट पर आत्ममंथन करें

लापरवाही का परिणाम

ज्वाला सिंह दास

भारत में शिक्षा क्रांति के दावे के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों तक जागरूकता नहीं पहुंची है। फर्जीवाड़ा, व्यापारीकरण और घटते मानकों ने शिक्षा व्यवस्था को गहरी चुनौती दी है।हम देश में शिक्षा के नए मॉडलों, डिजिटल प्रगति और कृत्रिम मेधा की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। तकनीक और इंटरनेट की ताकत में हम विकसित देशों की बराबरी का दावा करते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी शिक्षा से मिलने वाले जागरूकता के संस्कार आमजन तक नहीं पहुंच पाए हैं। कृत्रिम मेधा और रोबोटिक युग की चर्चा के बीच देश का बड़ा ग्रामीण हिस्सा अब भी इनसे वंचित है।शिक्षा क्रांति का अर्थ यह है कि आधुनिक शिक्षा केवल अमीर और उच्च वर्ग तक सीमित न रहे,

बल्कि गरीब वर्ग के बच्चों को भी समान अवसर और ज्ञान प्राप्त हो। सरकारी स्कूलों का स्तर इतना ऊंचा हो जाए कि गरीब छात्रों को महंगे, पश्चिमी शैली के स्कूलों की आवश्यकता न पड़े।वास्तव में शिक्षा क्रांति के जो लक्ष्य निर्धारित किए गए थे, वे अभी तक साकार नहीं हो सके हैं। हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की टिप्पणियां इस विफलता को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि न केवल पंजाब, बल्कि देशभर के शिक्षा नियामक संस्थान अपने संस्थानों

में न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को लागू करने में असफल रहे हैं। नियामक संस्थाओं का दायित्व था कि वे शिक्षा को वैज्ञानिक, सुसंस्कृत और आधुनिक स्वरूप दें, लेकिन व्यवहार में वे केवल औपचारिकता निभा रही हैं। इस लापरवाही का परिणाम यह है कि स्कूलों और कॉलेजों की परीक्षाएं ही नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य निर्धारण वाली प्रतियोगी परीक्षाएं भी सुचारु रूप से नहीं हो पा रही हैं।वर्तमान समय में न्यायपालिका की सबसे बड़ी चिंता शिक्षण क्षेत्र में फैलते फर्जीवाड़े को लेकर है। यह फर्जीवाड़ा लगातार बढ़ रहा है, परंतु पाठ्यक्रमों और पाठ्यपुस्तकों में आवश्यक सुधार के संकेत नहीं दिखते। बिना किसी ठोस योग्यता के बांटी जा रही डिग्रियां न केवल युवाओं के भविष्य को संकट में डालती हैं, बल्कि जनहित को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

हाल ही में पंजाब से खबरें सामने आईं कि कुछ कर्मचारी, जिनमें शिक्षक और डॉक्टर भी शामिल थे, फर्जी डिग्रियों के आधार पर वर्षों तक नौकरी करते रहे। जब प्रमोशन के समय जांच हुई, तब ये घोटाले उजागर हुए। आज देश का हर नौजवान विदेशों में कमाने का सपना देखता है। इंग्लैंड जैसी जगहों पर अंग्रेज़ी भाषा की योग्यता के लिए प्रमाणपत्र मांगे जाते थे, जिन्हें जाली तरीके से प्राप्त कर लिया जाता था। लेकिन इन फर्जी डिग्रियों के कारण विदेशों में न केवल उनके सपनों को झटका लगता, बल्कि दोयम दर्जे का जीवन भी जीना पड़ता था।न्यायपालिका की एकल पीठ की सबसे बड़ी चिंता शिक्षा के बढ़ते व्यापारीकरण को लेकर है। बच्चों के स्कूल में दाखिले के साथ ही पहली कक्षा से ट्यूशन शुरू करवा दी जाती है और अभिभावक इसे अपनी जिम्मेदारी की समाप्ति मान लेते हैं। शिक्षा प्रणाली में व्यापारीकरण इस हद तक बढ़ गया है कि चाहे वह दाखिले की संयुक्त परीक्षाएं हों या आईएएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाएं, हर स्तर पर कोचिंग संस्थानों का बोलबाला है।

काला फीता बांधकर निकाय कर्मचारियों ने जताया विरोध

» सरकार से की 13 सूत्रीय मांगों पर सार्थक वार्ता की मांग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर 13 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर प्रदेशभर में निकाय कर्मचारियों ने आज काला फीता बांधकर कार्य करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में कानपुर नगर निगम में भी विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महासंघ के प्रदेश महामंत्री रमाकांत मिश्र ने बताया कि 9 अक्टूबर को लखनऊ के जीपीओ पार्क में आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद नगर विकास विभाग ने 16 अक्टूबर को महासंघ के प्रतिनिधियों

को वार्ता के लिए आमंत्रित किया है।

मिश्र ने कहा कि अब तक छह बार वार्ता हो चुकी है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकला। इसलिए कर्मचारियों में गहरा अविश्वास है। अगर 16 अक्टूबर की वार्ता में सार्थक निर्णय नहीं हुआ, तो 10 नवंबर से अनिश्चितकालीन कार्यबंदी शुरू करने को बाध्य होंगे।

महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता मुन्ना हजारिया ने बताया कि संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नगर विकास मंत्री से मुलाकात कर अपनी मांगें रखी थीं। मंत्री ने प्रमुख सचिव को कार्रवाई हेतु पत्र भी भेजा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम न उठाए जाने से कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।कर्मचारियों ने अपने-अपने वार्ड व जोन कार्यालयों में काला फीता बांधकर विरोध दर्ज किया।

इस दौरान देवीदीन भाऊ, नीलू निगम, संजय हजारिया, रामगोपाल चौधरी, मुन्नी लाल, दिलीप तांबे, सुनील निगम, राहुल हजारिया, पंकज शुक्ला, पप्पू गुप्ता समेत अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

महासंघ की प्रमुख मांगे हैं

- अकेंद्रियत सेवानियमावली का प्रख्यापन
- दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ एवं संविदा कर्मियों का विनियमतीकरण
- कैशलेस इलाज की सुविधा
- 74वां संविधान संशोधन लागू करना
- राज्य कर्मचारियों के समान वेतन-भत्ते
- आउटसोर्सिंग कर्मियों की सेवा सुरक्षा व वेतन वृद्धि
- पुरानी पेंशन योजना की बहाली

सुरार की भूमि को कब्जा मुक्त कराना शुरू, नायब तहसीलदार मौके पर पहुंची

स्वराज इंडिया की खबर का बड़ा असर

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुरार की ग्राम समाज भूमि पर कब्जे और अवैध प्लाटिंग का मामला अब प्रशासनिक जांच के घेरे में है। स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद यह मामला जिलाधिकारी के संज्ञान में पहुँचा, जिसके बाद एसडीएम सदर ने सघन जांच के आदेश जारी किए। जांच की जिम्मेदारी नायब तहसीलदार सचेंडी रिचा सचान को सौंपी गई है, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम प्रधान पंकज यादव की शिकायत के अनुसार, ग्राम समाज की आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की ऊसर भूमि पर भू-माफिया वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव ने कब्जा कर अवैध प्लाटिंग का कार्य शुरू कर दिया था।

आरोप है कि इस पूरे खेल में क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार की भी सीधी मिलीभगत रही, जिन पर भू-माफियाओं से मोटी रकम लेने के आरोप हैं। सूत्रों का कहना है कि बरसात के बाद ऊसर भूमि को समतल कर अवैध प्लाटिंग के लिए

» ऊसर भूमि पर कब्जे की पुष्टि हुई, भू माफियाओं ने जमीन छोड़ने का दिया आश्वासन

» स्वराज इंडिया की रिपोर्टिंग से खुला भ्रष्टाचार का खेल, रिपोर्टर को मिली थी धमकी

खनन माफियाओं को ठेका दिया गया था। क्षेत्र में चर्चा है कि यह सबकुछ कुछ प्रभावशाली अधिकारियों की जानकारी में चल रहा था। अब प्रशासनिक स्तर पर इस अवैध नेटवर्क की पूरी परतें खोली जा रही हैं।

भू-माफियाओं पर जल्द गिरेगी गाज

जांच अधिकारी रिचा सचान ने स्वराज इंडिया को बताया कि मौके पर जांच में पाया गया कि सरकारी ऊसर भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर प्लाटिंग की थी।

उन्हें जमीन खाली करने के लिए कहा गया है और उन्होंने ऐसा करने का आश्वासन दिया है। जांच रिपोर्ट कल तक उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

हालांकि, यहां बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या केवल भूमि खाली कराना

पर्याप्त है? यदि वास्तव में ग्राम पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जा और प्लाटिंग की गई थी, तो दोषियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाना आवश्यक है। डीएम कार्यालय की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करने वालों और सरकारी जमीन से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अब प्रशासन के सक्रिय होने के बाद उम्मीद है कि भू-माफियाओं पर जल्द गाज गिरेगी और ग्राम समाज की भूमि को पूरी तरह मुक्त कराया जाएगा।

अवैध प्लाटिंग कर्ता वीर बहादुर यादव

आईएमए कानपुरः डॉ अनुराग मेहरोत्रा अध्यक्ष, डॉ. शालिनी मोहन बनी सचिव

आईएमए की वार्षिक आम सभा की बैठक संपन्न

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा की वार्षिक आम सभा रविवार शाम आईएमए के 'टेम्पल ऑफ सर्विस' स्थित जितेन्द्र कुमार लोहिया सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने की और संचालन सचिव डॉ. विकास मिश्रा ने किया। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. अनुराग महरोत्रा और सचिव डॉ. शालिनी मोहन को बनाया गया।

सचिव डॉ. विकास मिश्रा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और वित्तीय सचिव डॉ. दीपक श्रीवास्तव ने वर्ष 2024–25 के वार्षिक लेखे आम सभा के समक्ष रखे, जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। साथ ही वर्ष 2025–26 का बजट भी प्रस्तुत किया गया, जिसे आम सभा ने अनुमोदित किया।आईएमए की बिल्डिंग का सपना पूरा हुआनिवर्तमान अध्यक्ष डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने अक्टूबर 2023 में अध्यक्ष पद का कार्यभार इसलिए संभाला था ताकि 'सेवा के मंदिर' का निर्माण पूर्ण कर सकें, और यह कार्य अब आईएमए के सभी सदस्यों के सहयोग से पूरा हो चुका है। आईएमए की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई।

उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य आईएमए को एकजुट रखना और उसकी छवि को जनमानस में मजबूत बनाना था।

उनके कार्यकाल में आईएमए ब्लड बैंक को डिजिटल किया गया, डिजिटल डायरेक्टरी को पुनः प्रारंभ किया गया और कई पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम, सीपीआर वर्कशॉप्स और हेल्थ कैंप्स आयोजित किए गए।

निर्विरोध चुने गई कार्यकारणी

आईएमए चुनाव समिति की चेयरपर्सन डॉ. अर्चना भदौरिया ने 2025–26 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने बताया कि दस वर्षों के बाद आईएमए कानपुर की कार्यकारिणी सर्वसम्मति से निर्वाचित हुई है। इससे पहले ऐसा 2014–15 में हुआ था, जो संस्था की एकता और आपसी विश्वास का प्रतीक है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा और सचिव डॉ. शालिनी मोहन ने शपथ ग्रहण की। इसके बाद डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने कहा कि आईएमए की नई टीम डॉक्टर और मरीज के रिश्ते में विश्वास बहाल करने के लिए लगातार प्रयास करेगी।उन्होंने कहा कि शहरभर में चैरिटेबल हेल्थ कैंप आयोजित कर जनता को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराना। आईएमए को जनता के बीच एक विश्वसनीय संस्था के रूप में स्थापित करना। डॉक्टरों के उत्पीड़न के खिलाफ सशक्त रूप से आवाज उठाना।

डीएम, एसपी ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा, नकल पर रही सख्त निगाह

» 2016 में से 798 परीक्षार्थी ही हुए शामिल, 1218 ने छोड़ दी परीक्षा

» पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा 2025 रविवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने संयुक्त रूप से कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अकबरपुर डिग्री कॉलेज और आर.पी.एस. इंटर कॉलेज, रूरा में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, परीक्षार्थियों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा अन्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनुचित गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए नियुक्त स्क्राइबर की बायोमैट्रिक जांच अनिवार्य रूप से की जाए और आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं।पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए तैनात पुलिस बल को सतर्क रहने और केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ या अव्यवस्था रोकने के निर्देश दिए।जनपद में कुल 5 परीक्षा केंद्र अकबरपुर डिग्री कॉलेज, श्री कृष्णा औद्योगिक इंटर कॉलेज, श्री रामस्वरूप ग्राम उद्योग इंटर कॉलेज, विवेकानंद राष्ट्रीय इंटर कॉलेज रसूलाबाद, और आर.पी.एस. इंटर कॉलेज रूरा में परीक्षा आयोजित की गई।इन केंद्रों पर कुल 2016 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 798 परीक्षार्थी उपस्थित और 1218 अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि जनपद में आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाएं निष्पक्ष, भयमुक्त और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हों। उन्होंने सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या व्यवधान की स्थिति में तुरंत नियंत्रण कक्ष को सूचित करें।

हत्या,सामूहिक दुष्कर्म और लूट के आरोपियों पर करें कठोर कार्रवाई:एसपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रृद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने शनिवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।इस दौरान एसपी ने अधिकारियों को हत्या,लूट,डकैती,सामूहिक दुष्कर्म,गोवंश व मादक पदार्थों की तस्करी करने के आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की हिदायत दी।

उन्होंने आरोपियों की संपत्ति सीज कराने का निर्देश दिया।मिशन शक्ति 5.ह्व के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।साथ ही पॉक्सो एक्ट के तहत मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा महिला हेल्पलाइन को और अधिक सक्रिय बनाने पर जोर दिया।एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने कानून-व्यवस्था को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है।उन्होंने साफ कहा है कि त्योहारों पर किसी भी तरह की लापरवाही या दिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उन्होंने जनपद में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाने को निर्देशित किया है।साथ ही हर छोटी से छोटी घटनाओं पर गंभीरता से कदम उठाने का निर्देश दिया।ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को उन्होंने अनिवार्य रूप से अपने साथ बॉडी प्रोटेक्टर,हेलमेट,डंडा और दंगा नियंत्रण उपकरण साथ रखने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि सभी पुलिस वाहनों पर लाउडेलर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम को क्रियाशील रखें।इसी क्रम में एसपी ने जनपद स्तरीय चिह्नित आपराधिक मामलों में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों को सजा दिलाने,ओवर लोड वाहनों के संचालन पर अंकुश लगाने की हिदायत दी।आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का अवलोकन कर निपटारा करने का निर्देश दिया।इस दौरान एएसपी राजेश पाण्डेय,सीओ अकबरपुर संजय वर्मा,सीओ भोगनीपुर संजय सिंह,सीओ सिकंदरा प्रिया सिंह सहित जनपद के क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे।

चोरों के हौसले बुलंद, एक रात में दो घरों में चोरी

» नगदी समेत लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर चोरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के खल्ला गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात व नगदी पार कर दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना दीपक कुमार के घर हुई।

दीपक के मुताबिक बीती शनिवार की रात जब परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे तभी अज्ञात चोर दीवार फांद कर घर में घुस गए। चोरों ने तीन सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन और 10 हजार रुपए नगद पार कर दिए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। उसी रात गांव के ही सुमित नारायण के घर भी चोरी हुई। चोरों ने उनके घर से एक सोने का हार, एक मंगलसूत्र, एक सोने की अंगूठी, तीन चांदी की अंगूठियां, एक जोड़ी सोने की टॉप्स, एक जोड़ी झाले, एक चांदी की करधनी, एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी तोडयिों और 32 हजार रुपए नगद पार कर दिए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए।घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने तथा तत्काल इन चोरी की वारदातों का खुलासा करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है, जल्द खुलासा कर लिया जाएगा।

चोरी के बाद घर में फैला सामान

सचेंडी बम धमाका: घायल समेत 10 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कानपुर। सचेंडी में अवैध तरीके से बम बनाने के दौरान हुए धमाके में पुलिस ने गंभीर रूप से घायल शकील समेत 10 लोगों के खिलाफ रविवार को एफआईआर दर्ज की है। पुलिस फरार लोगों की तलाश में जुटी है। शुक्रवार शाम को बम बनाते समय हादसा हुआ था। एक अधेड़ की हालत गंभीर है जबकि दूसरा भी घायल है। दरोगा की तहरीर पर 48 घंटे बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।सचेंडी के बरारा मोहल्ले में कब्रिस्तान के पास शुक्रवार शाम करीब पांच बजे सचेंडी में तेज धमाके से इलाका दहल गया था। मौके पर दो लोग घायल अवस्था में मिले। इसके अलावा अन्य लोग मौके से भाग निकले। मोहल्ले के लोग शकील को कंधे पर उठाकर चकरोड तक लाए तभी पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने घायल शकील को कल्याणपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जिसके बाद उसे उर्सला रेफर कर दिया गया। वहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में सचेंडी निवासी शकील, अकील, लकी सोनकर, राहुल सोनकर, रज्जब अली उर्फ बहरा, मानसू सोनकर, मेराज और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।सूत्रों के मुताबिक शकील ही गैंग का मुखिया है। घटना स्थल पर अवैध पटाखा बम बनाने की सामग्री, सुतली बम के टुकड़े, जला प्लास्टिक, प्लास्टिक पॉलिथीन में मौरंग और बारूद का मिश्रण आदि साक्ष्य मिले थे। पुलिस कल तक घटना से इन्कार कर रही थी। अब उनके ही दरोगा अंकित मौर्या की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसीपी पनकी शिखर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत घरों में नहीं बैठते जिम्मेदार अफसर, ग्रामीण बैरंग लौट जाते

» ब्लॉक मुख्यालय के अफसरों के अचानक निरीक्षण न होने से पंचायत भवन कागजों में चल रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार ने भले ही जनता की समस्याओं को देखते हुए ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवालय खोलकर उनकी समस्याओं का निदान करने का प्रयास कर रही है। इसके बावजूद ग्रामीण अंचल में आज भी कई पंचायत घरों में पंचायत सहायक ही नहीं बैठ रहे है। जिसके चलते ग्राम पंचायत की जनता को अपने कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत दहेली ग्राम पंचायत के अंतर्गत दहेली गांव में स्थित पंचायत घर यूं तो ग्रामीणों से भरा रहता है लेकिन पंचायत सहायक पंचायत सचिवालय में नहीं बैठती हैं। जिसके चलते लोग परेशान होते हैं। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत 8 ग्राम पंचायत के पंचायत सहायक इस्तीफा दे चुके हैं और उनका पद रिक्त है। वही दहेली ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक कभी भी सचिवालय में नहीं बैठती हैं। इसके चलते जहां एक ओर पंचायत घर में रखे संसाधन खराब हो रहे हैं तो वहीं ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए ब्लॉक और तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

क्या बोले ब्लॉक मुख्यालय के अफसर....

एडीओ पंचायत जेपी शुक्ला ने बताया है कि दहेली पंचायत सचिवालय की समस्या प्रकाश में आई है। सचिव को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र ही समस्या का निदान होगा।

पंचायतघर में लटका ताला

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सपा नेता ने बहू से किया दुष्कर्म पति-सास पर भी उत्पीड़न का आरोप

» थाने में नहीं हुई सुनवाई तो एसपी से शिकायत कर लगाई न्याय की गुहार

» मूसानगर पुलिस पर मिलीभगत का आरोप, पीड़िता ने सुनाई आपबीती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के मूसानगर थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बहू ने अपने ही ससुर पर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक शिकायत करने पर उसके पति और सास ने उसकी बेरहमी से पिटाई की और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ससुर सपा नेता बताया जा रहा है।

लाल घेरे मेंआरोपी सपा नेता नसीरूद्दीन उर्फ इद्दू

पुलिस के अनुसार, ग्राम फतेपुर मूसानगर निवासी युवती की शादी कुछ समय पूर्व हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि उसके ससुर सपा नेता नसरूद्दीन उर्फ इद्दू की नियत शादी के बाद से ही गलत थी। पीड़िता के मुताबिक 6 सितंबर 2025 की शाम करीब 7:30 बजे जब वह अपने कमरे में सो रही थी, तभी ससुर कमरे में घुस आया और जबरन दुष्कर्म किया। जब उसने घटना की जानकारी अपने पति और सास को दी तो उन्होंने चुप रहने को कहा। चुप न रहने पर दोनों ने उसकी पिटाई की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और कान में भी अंदरूनी चोट आई हैं। किसी तरह मायके सूचना देने पर पिता जब बेटी के ससुराल पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि जब वह अपने पिता के साथ थाना मूसानगर पहुंची तो पुलिस ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की। आरोपियों से मिलीभगत के चलते पुलिस ने उसका प्रार्थनापत्र फाड़ दिया और केवल एनसीआर नंबर 120/2025 धारा 115(2), 352 बीएनएस में दर्ज कर ली। थाने में न्याय न मिलने पर पीड़िता ने अब पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। उसने कहा कि जब तक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, वह न्याय के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

एक महीने से गांव में रहस्यमयी बुखार का प्रकोप, स्वास्थ्य विभाग सो रहा

» ग्रामीणों का आरोप डेंगू-मलेरिया की पुष्टि के बाद भी अब तक नहीं पहुंची स्वास्थ्य टीम

» मुख्य चिकित्साधिकारी से संपर्क नहीं, पीएचसी अधिकारी बोले आपके जरिए मिली सूचना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा ब्लॉक के दिलावलपुर गांव में रहस्यमयी बुखार ने कहर मचा रखा है। गांव में पिछले एक महीने से बुखार का प्रकोप जारी है, जिसके चलते अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दो दर्जन से अधिक लोग बीमार हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही लगातार सामने आ रही है।

गांव के लोगों का कहना है कि कई मरीजों की रिपोर्ट में निजी लैब्स ने डेंगू और मलेरिया की पुष्टि की है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई मेडिकल कैंप नहीं लगाया है।

गांव में नालियों की सफाई नहीं की गई और न ही कीटनाशक दवा का छिड़काव हुआ है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा और बढ़ गया है। पीड़ितों में महेश्वरी पत्नी कैलाश, अनुष्का पुत्री अनुपम, धीरज सचान पुत्र रामकुमार, रामचंद्र कश्यप पुत्र बदलू, शिवशंकर शर्मा पुत्र मिश्री लाल, दीप्ति सचान पत्नी शुभम सचान, अजय सचान पुत्र रामपाल सचान, शमा पत्नी इरफान, राज कश्यप पत्नी राजेंद्र कश्यप, संजना पुत्री मुखिया, आरती पुत्री शिवकुमार सहित कई लोग शामिल हैं। इस बाबत मुख्य चिकित्साधिकारी कानपुर देहात से संपर्क नहीं हो सका। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अधिकारी राकेश कुमार ने बताया,आपके माध्यम से सूचना मिली है, आशा कार्यकर्ताओं से सर्वे कराकर गांव में स्वास्थ्य टीम भेजी जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द जांच और उपचार की व्यवस्था नहीं हुई, तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

पत्रकारों से बातचीत करते व्यापारी नेता

चेकों की क्लियरिंग में एक सप्ताह की देरी से व्यापारिक लेनदेन हो रहा ठप

» जेम पोर्टल में भ्रष्टाचार और विभागीय शोषण से छोटे उद्योग दम तोड़ रहे- राखरा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष हरदीप सिंह राखरा ने कहा कि प्रदेश में व्यापारी और उद्यमी लगातार सरकारी नीतियों व भ्रष्टाचार की मार झेल रहे हैं।

शनिवार को कानपुर देहात के एक प्रतिष्ठान में हुई प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों और विभागीय शोषण के कारण छोटे व्यापारी और सूक्ष्म उद्योग चौपट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में सरकारी बैंकों की सुस्ती ने व्यापार को और संकट में डाल दिया है। चेकों की क्लियरिंग में एक सप्ताह तक की देरी से व्यापारिक लेनदेन ठप पड़ रहे हैं। वहीं, लूट, चोरी और छीना-झपटी की बढ़ती घटनाओं से व्यापारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने जेम पोर्टल के जरिए हो रहे भ्रष्टाचार पर भी तीखा हमला बोला। बताया कि वर्ष 2017 में जहां प्रदेश में 10,000 सूक्ष्म इकाइयां कार्यरत थीं, वहीं अब केवल 2,000 इकाइयां ही बची हैं। शेष आठ हजार इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जिससे बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि फायर, प्रदूषण, खाद्य, बाट एवं माप और लेबर विभाग जैसे महकमे खुलेआम शोषण कर रहे हैं, और व्यापारियों की कहीं कोई सुनवाई नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्व लक्ष्य पूरा करने के नाम पर खुली लूट मची है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। इस मौके पर व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार गुप्ता, रनियां नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि राम किशोर दिवाकर, शिवभजन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या में रावत मंदिर के महंत की संदिग्ध हालात में मौत, उठ रहे कई सवाल

दो महीने पहले ही उन्होंने मंदिर की एक बड़ी ज़मीन 8 करोड़ में बेची थी

» शिष्य राम बालक दास बोले मेरे गुरु को जहर दिया गया, यह साधु परंपरा पर कलंक

» पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि, नही मिला जहर का सुराग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामघाट पर बसी शांत और प्राचीन साधु परंपरा आज गहराई से विचलित है। रावत मंदिर के महंत राम मिलन दास की संदिग्ध मौत को लेकर अब नया मोड़ आ गया है। महंत के उत्तराधिकारी और शिष्य राम बालक दास ने इस मौत को साफ-साफ साजिश बताया है। उनका कहना है की मेरे गुरु को जहर दिया गया। उनका शरीर काला पड़ गया था, चेहरे पर झाग निकल रहा था। यह हार्ट अटैक नहीं, हत्या है। मंदिर की 9.5 करोड़ की संपत्ति पर नजरें थीं।

महंत राम मिलन दास की मौत अब आस्था' से ज्यादा 'अर्थ का मामला

महंत की फाइल फोटो

बनती जा रही है। दो महीने पहले ही उन्होंने मंदिर की एक बड़ी ज़मीन 8 करोड़ में बेची थी।

बैंक खाते में रकम पहुंची तो चारों ओर हलचल बढ़ गई। इसी बीच उनके आसपास के लोग सेविका शकुंतला, भाई कपिल देव और तीन भतीजे सभी अचानक शक के घेरे में आ गए। शिष्य राम बालक दास के मुताबिक सेविका शकुंतला ने ही रात का भोजन परोसा था।

उसी के बाद गुरुजी की हालत बिगड़ी। अगर यह हार्ट अटैक था, तो शरीर पर नीले-काले धब्बे क्यों थे? और मुंह से झाग क्यों निकल रहा था?

संत समाज को पीएम रिपोर्ट पर भरोस नहीं

अयोध्या कोतवाली प्रभारी मनोज शर्मा ने बयान जारी किया पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक आया है।

ज़हर की कोई पुष्टि नहीं हुई। लेकिन संत समाज इस रिपोर्ट पर भरोसा करने को तैयार नहीं। महंत जयराम दास ने खुलकर कहा यह मौत

रामबालक दास शिष्य

संत परंपरा पर हमला है। अब ज़रूरत है सीबीआई जांच की, क्योंकि पुलिस शायद किसी बड़े नाम को बचा रही है। महंत राम मिलन दास ने अपनी आध्यात्मिक सादगी से रावत मंदिर को पहचान दी थी।

लेकिन वही मंदिर अब पैसों और शक की आग में झुलस रहा है।

9.5 करोड़ की रकम किसके पास जानी थी, कौन इस लेन-देन से नाराज़ था, और कौन चाहता था कि महंत हमेशा के लिए 'मौन' हो जाए यही

इन सवालों के जवाब अभी बाकी

1. क्या सेविका शकुंतला के हाथों से परोसी गई थाली ही मौत की वजह बनी?
2. क्या महंत की मौत करोड़ों के सौदे का 'नतीजा' थी?
3. क्या मंदिर के भीतर किसी 'अंदरूनी गुट' ने ही यह खेल रचा?
4. या फिर संत समाज की साख को मिट्टी में मिलाने की कोई सियासी साजिश?

सवाल अब जांच की असली दिशा तय करेंगे।

बता दे कि करीब 13 साल पुरानी सेविका शकुंतला पर अब जांच की नजरें हैं। मंदिर की संपत्ति को लेकर पहले भी कोर्ट तक विवाद गया था। और एक समय अंबेडकरनगर की महिला का शोषण आरोप झूठा साबित होने के बाद भी महंत को मानसिक झटका लगा था। इन सबके बीच अब मंदिर के भीतर कौन किसके साथ था यह पहेली और गहरी होती जा रही है।

अभेद किले की तरह सुरक्षित हैं जिले के सभी 13 परीक्षा केंद्रः डीएम राजेश कुमार पांडेय

» डीएम-एसपी ने किया व्यापक निरीक्षण, दिए सख्त दिशा-निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जालौन। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 को निष्पक्ष, नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रविवार को जनपद के लोकप्रिय व कर्तव्यनिष्ठ जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने सभी 13 परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्र अभेद किले की तरह सुरक्षित बनाए गए हैं। पारदर्शिता और सुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी। परीक्षा की निगरानी सीसीटीवी कैमरों व बायोमेट्रिक स्कैनर से की जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर जैमर, पेयजल, शौचालय, मोबाइल व बैग जमा करने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

डीएम पांडेय ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में राजपत्रित अधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, निरीक्षक, उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल व महिला पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लगातार भ्रमणशील रहें और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। कि परीक्षा केंद्रों के आसपास नो पार्किंग जोन, एकल दिशा मार्ग व्यवस्था और प्रशासकीय वाहनों के लिए अलग पार्किंग व्यवस्था लागू की जाए।डीएम ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा की शुचिता भंग करने या अनुचित साधन का प्रयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि सभी अभ्यर्थियों को निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिले।

संक्षेप में बिंदु

- जनपद में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए
- सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, जैमर और वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य
- भारी पुलिस बल की तैनाती, थाना प्रभारियों को निगरानी के निर्देश
- परीक्षा केंद्रों के आसपास सख्त यातायात नियंत्रण व्यवस्था
- परीक्षा की सुचिता भंग करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

प्रसव पीड़िता तड़पती रही, पर्चे पर लिखा डाक्टर इज नॉट एविलेबल

» सीएमएस डॉ. रवि पांडेय ने दिया जवाब, मैं मरीज नहीं देखता

» स्वास्थ्य मंत्री के दौरे के अगले दिन अस्पताल के ऐसे हालात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की सच्चाई उस वक्त उजागर हो गई, जब अयोध्या के कुमारगंज 100 शैय्या हॉस्पिटल में एक प्रसव पीड़िता लक्ष्मी तिवारी दर्द से कराहती रही और पूरा अस्पताल 'डाक्टर इज नॉट अविलेबल' के सरकारी पर्चे पर खामोश खड़ा रहा।

तीन महिला डॉक्टरों में से एक भी ड्यूटी पर नहीं था।सबसे चौंकाने वाली बात अस्पताल के सीएमएस डॉ. रवि पांडेय, जो खुद स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं, मरीज को देखने तक नहीं आए। जबकि सरकार का साफ आदेश है कि जरूरत पड़ने पर सीएमओ तक मरीज देखें। सरकारी पर्चे पर साफ लिखा गया डाक्टर इज नॉट एविलेबल

यह एक पंक्ति अब अयोध्या की स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी मेडिकल रिपोर्ट बन चुकी है।

जब स्वराज इंडिया के संवाददाता ने सीएमएस डॉ. रवि पांडेय से बात की, तो

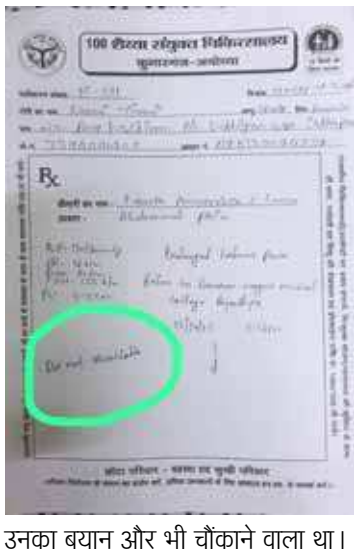

उनका बयान और भी चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा कि मैं मरीज नहीं देखता। मैं प्रशासनिक अधिकारी हूं। आज रविवार है, ऑफिस बंद है तो मैं हॉस्पिटल में क्यों रहूं? उन्होंने यह भी कहा कि दोनों महिला डॉक्टर नियमित नहीं आतीं, शासन को सूचना भेज दी गई है, जांच चल रही है। और जब पूछा गया कि सीएमओ कार्रवाई क्यों नहीं करते, तो उन्होंने जवाब दिया वे आयोग से आई हैं, इसलिए सीएमओ के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। कार्रवाई शासन ही करेगा।

विडंबना देखिए यह घटना ठीक उस

अगले दिन की है जब स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने जिला अस्पताल का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए सख्त निर्देश दिए थे। मंत्री के निर्देश अभी ठंडे भी नहीं पड़े थे कि कुमारगंज में सिस्टम की लापरवाही ने उनकी सख्ती को खुली चुनौती दे डाली। अब सवाल उठता है जब मंत्री के आदेशों का असर 24 घंटे भी नहीं टिकता,जब सीएमएस खुद मैं मरीज नहीं देखता कहकर बच निकलता है,और जब डॉक्टर नाट एवेलेबल की पर्ची पर शासन चलाते हैं, तो क्या यह जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं?

रामनगरी में निषादराज की आड़ में जमीन कब्जे का नया अध्याय !

सत्ता की छाया में चलता 'मरघट' वाला खेल

» पीड़ित ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की

» मंत्री ने उसी विवादित ज़मीन पर मूर्ति का कर दिया उद्घाटन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम के नाम पर 'रामनगरी' में अंधेरा अब स्थायी होता जा रहा है। पहले धर्म की आड़ में राजनीति हुई, फिर राजनीति की आड़ में जमीनें हड़पी गईं। अब नया चलन है निषादराज की आड़ में कब्जा। यह कहानी सिर्फ़ एक गांव की नहीं, बल्कि उस तंत्र की है जो मर्यादा पुरुषोत्तम राम की धरती पर मर्यादा को भी जमीन की तरह नापने लगा है।

गौरतलब है कि ग्राम गोठवारा, तहसील मिल्कीपुर निवासी संजय सिंह पुत्र कपिल देव सिंह ने जिलाधिकारी अयोध्या को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि समीपवर्ती गांव कुडौली मजनावां सोहावल के निवासी एक व्यक्ति ने सरकारी जमीन गाटा संख्या 2460 व 2461, जो राजस्व अभिलेखों में बंजर तालाब व मरघट के नाम से दर्ज है, पर अवैध कब्जा शुरू कर दिया है।

शिकायत के अनुसार, पहले इस भूमि पर भगवान परशुराम की मूर्ति लगाकर धार्मिक आवरण तैयार किया गया। अब उसी ज़मीन पर भगवान निषादराज की प्रतिमा स्थापित करने की योजना बनाई गई ताकि कब्जा वैधता का चोला ओढ़ सके।

विवादित बयान दे चुके मंत्री संजय निषाद

याद दिलाना जरूरी है यही मंत्री कुछ माह पूर्व बयान दे चुके हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम, दशरथ पुत्र नहीं हैं...उनका यह बयान तब भी सुर्खियों में था और अब फिर 'निषादराज' के नाम पर विवादित ज़मीन में उनका शामिल होना नए सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित संजय सिंह ने यह शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल, मण्डलायुक्त, और प्रमुख सचिव तक भेजी है। लेकिन परिणाम? शून्य।सरकारी मशीनरी खामोश है। स्थानीय प्रशासन का रवैया फ़देखेंगे... जांच करेंगे... वाली शैली में ढुलमुल है। ग्रामीणों का कहना है पहले कहा गया तालाब सुंदर बनाया जाएगा, फिर वहां मूर्ति लग गई। अब जमीन को मंदिर की आड़ में पक्का कब्जा कर लिया जाएगा। गांव में माहौल तनावपूर्ण है। लोग कह रहे हैं मरघट की मिट्टी अब सत्ता की मन्नत पूरी कर रही है।

..जब मंत्री बने 'धार्मिक वैधता' के प्रमाण पत्र

संजय सिंह ने अपनी शिकायत में चौंकाने वाला खुलासा किया

स्थानीय कब्जेदारों ने योगी सरकार के काबीना मंत्री संजय निषाद को गुमराह करके 11 अक्टूबर को बुलाया और उस विवादित सरकारी ज़मीन पर भगवान निषादराज की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम रख दिया।

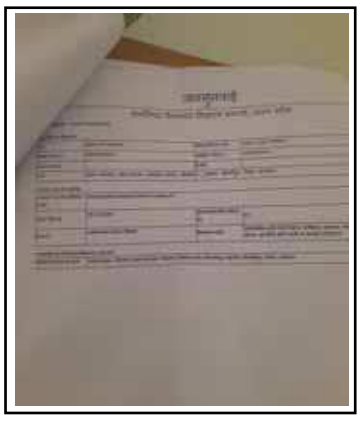

यानी, जिस ज़मीन को सरकारी रिकॉर्ड में मरघट व तालाब बताया गया है, वहाँ सत्ता की उपस्थिति ने धर्म का तमगा चिपका दिया। मंत्री महोदय का अयोध्या आगमन, मूर्ति का उद्घाटन, स्थानीय उत्सव ये सब हुआ। पर हैरानी की बात यह कि सूचना विभाग ने एक भी प्रेस नोट जारी नहीं किया। आखिर क्यों? क्या विभाग को मंत्री के कार्यक्रम से पहले यह सूचना थी कि भूमि विवादित है? या फिर निर्देश ऊपर से था चुप रहो, मामला संवेदनशील है।

स्वराज इंडिया के रिपोर्ट की पड़ताल

- गाटा संख्या 2460, 2461 सरकारी भूमि के रूप में दर्ज।
-कब्जे का खेल धार्मिक परत में छिपा।
-मंत्री की मौजूदगी ने विवाद को वैधता का रंग दिया।
-प्रशासन और सूचना विभाग की चुप्पी से गहरी साज़िश की बू।

संजय सिंह शिकायतकर्ता

वेद की पाठशाला गुरु वशिष्ठ गुरुकुल को मिली

भारत सरकार की मान्यता

» यजुर्वेद व अथर्ववेद की पेपीलाद शाखा को दी गई स्वीकृति

» संगीत, गणित, विज्ञान और कंप्यूटर विषयों में भी दी जा रही शिक्षा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या की वैदिक परंपरा एक बार फिर अपने स्वर्ण युग की ओर अग्रसर है। श्रीगुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की स्वायत्त संस्था महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा कृष्ण यजुर्वेद एवं अथर्ववेद की पेपीलाद शाखा की मान्यता प्राप्त हुई है।गुरुकुल के अध्यक्ष एवं महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने बताया कि 2018 में पांच ब्रह्मचारियों के साथ हनुमंत वाटिका के एक कक्ष में प्रारंभ हुआ।

यह गुरुकुल अब चारों वेदों के साथ-साथ संगीत, गणित, विज्ञान और कंप्यूटर जैसे आधुनिक विषयों में भी शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में 15 आचार्य यहां पर 160 ब्रह्मचारियों को शिक्षा दे रहे हैं। लगभग ढाई एकड़ में फैले परिसर में 12,000 वर्गमीटर भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 20 फुट ऊंची यज्ञशाला का कार्य तेजी से चल रहा है।

सनातन ज्ञान की ज्योति आज भी प्रज्वलित

गुरुकुल के निदेशक डॉ. दिलीप सिंह ने बताया कि इसकी प्रेरणा से अब तक 15 अन्य गुरुकुल विभिन्न जनपदों में संचालित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में मार्च 2026 में 100 गुरुकुलों के आचार्यों और विद्यार्थियों का त्रिदिवसीय वैदिक सम्मेलन अयोध्या में आयोजित होगा, जिसमें भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहेंगे। अयोध्या की यह उपलब्धि न केवल वेद परंपरा के पुनर्जागरण का प्रतीक है, बल्कि यह प्रमाण भी कि सनातन ज्ञान की ज्योति आज भी प्रज्वलित है।

जनता दर्शन में सीआरपीएफ जवान की समस्या सुनकर बोले सीएम योगी

निश्चिंत होकर ड्यूटी कीजिये, बाकी सरकार पर छोड़ दीजिए

» सीएम योगी के लखनऊ आवास पर प्रदेश भर से आए फरियादी।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। ये लोग यूपी के तमाम जिलों से यहां आए थे। सीएम योगी ने प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को जन-अपेक्षाओं के अनुरूप उनकी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।

बुलंदशहर निवासी सीआरपीएफ जवान जमीन विवाद से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि आप निश्चिंत होकर ड्यूटी कीजिये, समाधान सरकार पर छोड़ दीजिए। जांच कराएंगे और प्रकरण में न्यायोचित कार्रवाई भी करेंगे। आमजन से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान यह यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली और उनकी पहचान है। इससे पहले पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में जनता दर्शन आयोजित किया, जिसमें लगभग 200 लोगों ने अपनी शिकायतें और मांगें रखीं थीं।

नन्हे-मुन्नों को दी चॉकलेट

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में फरियादियों के साथ आए बच्चों का हालचाल जाना। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर दुलार किया और अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि खूब पढ़ो-जमकर खेलो और माता-पिता का नाम रोशन करो।

अयोध्या का दीपोत्सव, ब्रज का रंगोत्सव कर रहा समृद्ध

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश पर्यटन का एक बड़ा केंद्र बन गया है जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अमृतकाल है। योगी ने एक्स पर लिखा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में नया उत्तर प्रदेश आज देश के लिए पर्यटन से ट्रांसफारमेशन की प्रेरणा बन गया है। अयोध्या धाम का दीपोत्सव, ब्रज का रंगोत्सव और काशी की देव दीपावली जैसे उत्सव हमारी विरासत को समृद्धि और संस्कृति को शक्ति में बदल रहे हैं।

इसी का परिणाम है कि 2016 में जहां 21.5 करोड़ पर्यटक आए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 64.9 करोड़ तक पहुंच गई। राष्ट्रीय पर्यटन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी वर्ष 2016 में 13.1 फीसदी थी, जो 2023 में बढ़कर 18.9 फीसदी तक पहुंच गई। यही है सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अमृतकाल, जो विरासत से विश्वास, विश्वास से विकास और विकास से विश्वगुरु भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

लखनऊ में रोजगार एवं परंपरा के संगम में उमड़ी भीड़

माटी की खुशबू से महका खादी भवन, हुनरमंदों ने लूटी वाहवाही

मंत्री राकेश सचान ने किया माटीकला महोत्सव-2025 का शुभारंभ

» आरपी सिंह, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। खादी भवन में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने माटीकला महोत्सव का शुभारम्भ किया। यह महोत्सव 10 से 19 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर माटीकला बोर्ड द्वारा विकसित नवीन माटीकला पोर्टल एवं ई-वेरिफिकेशन मोबाइल एप का भी लोकार्पण किया गया। साथ ही 10 कारीगरों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक, 2 कारीगरों को पगमिल मशीन एवं 2 लाभार्थियों को बैंकों से स्वीकृत ऋण के चेक वितरित किए गए।

हर कारीगर अपनी कला से आर्थिक समृद्धि हासिल करे

मंत्री राकेश सचान ने कहा कि माटीकला महोत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और रोजगार का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की पहल से कारीगरों को आधुनिक तकनीक, मशीनरी और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा, माटी से बनी परंपरा अब रोजगार, नवाचार और विकास का माध्यम बन चुकी है। सरकार चाहती है कि हर कारीगर अपनी कला से सम्मान और आर्थिक समृद्धि हासिल करे। उन्होंने कारीगरों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे महोत्सव उन्हें नई ऊर्जा और अवसर प्रदान करते हैं।

दीपावली के अवसर पर आरम्भ हुए इस 10 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न जनपदों से आए कारीगरों की 50 निःशुल्क दुकानें लगाई गई हैं, जिनमें पारम्परिक और आधुनिक माटीकला उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मंत्री राकेश सचान ने बताया कि प्रदेश में माटी का प्रयोग कर मूर्तियां, खिलौने, बर्तन, इत्यादि गृह उपयोगी एवं कलात्मक वस्तुएं बनाने का प्रचलन सदियों से रहा हैं। आज भी प्रदेश में पर्याप्त संख्या में माटीकला शिल्पकार इस परम्परागत उद्योग में लगे हुए हैं। माटीकला के अन्तर्गत निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देने एवं परम्परागत उद्योगों को नवाचार के माध्यम से संरक्षित एवं संवर्धित करते हुए, अधिकाधिक कारीगरों को रोजगार से जोड़ने के लिए 19 जुलाई, 2018 को माटीकला बोर्ड की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से अब तक 48,048 कारीगर परिवारों की पहचान की जा चुकी है तथा 37,190 कारीगरों को मिट्टी की निकासी हेतु पट्टा आवंटित किया गया है।

उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा अब तक 15,932 विद्युत चालित चाक और 375 पगमिल मशीनें वितरित की जा चुकी हैं। इस वित्तीय वर्ष में 2,500 चाक और 300 पगमिल वितरण का लक्ष्य है। इसके साथ ही 603 जोड़ी पी.ओ.पी. डाई, 31 पेंटिंग मशीनें और 81 दीया मशीनें कारीगरों को दी गई हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत पिछले छह वर्षों में 1,114 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत कर उद्योग इकाइयों की स्थापना कराई गई है। इस वर्ष 300 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वहीं राज्य में 6 कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि अमेठी, बरेली और बिजनौर में 3 नए सेंटर की स्थापना प्रक्रिया में हैं। प्रशिक्षण योजना के तहत 16,307 लाभार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण, 1,114 को उद्यम संचालन और 6,786 को शिल्पकारी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उद्घाटन समारोह में माटीकला बोर्ड के महाप्रबंधक शिशिर, नोडल अधिकारी संजय कुमार पांडे सहित खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और माटीकला बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माटी के हुनर को डिजिटल पहचान दिला रहे हैं: शिशिर

माटीकला बोर्ड के महाप्रबंधक शिशिर सिंह ने कहा कि माटीकला बोर्ड ने डिजिटल युग की आवश्यकता को देखते हुए माटीकला पोर्टल और ई-वेरिफिकेशन मोबाइल एप विकसित किया है। प्रदेशभर के कारीगरों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है, माटीकला अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन चुकी है। बोर्ड के महाप्रबंधक ने बताया कि माटीकला उत्पाद अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, माटी अब सिर्फ कला नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक बन चुकी है।

माटी के उत्कृष्ट उत्पादों ने दर्शकों का मन मोहा

महोत्सव में लखनऊ की प्रियंका वर्मा, चुनार (मिर्जापुर) के मंडल पुरस्कार विजेता बाबूलाल प्रजापति, गोरखपुर से राज्य पुरस्कार विजेता अखिलेशचन्द्र प्रजापति एवं दिलीप प्रजापति, आजमगढ़ से शुभम प्रजापति, बाराबंकी से प्रेमचंद प्रजापति सहित अन्य जिलों से आये कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट कारीगरी से दर्शकों का बरबस मन मोह रहे थे। आगंतुक इनके लगाए स्टॉल पर बेहतरीन कारीगरी को देखने के साथ खरीददारी के लिए बाध्य हो रहे थे। लोगों ने बताया की वह सब वर्षों से महोत्सव में स्टॉल लगा रहे है, और पिछले साल इनके उत्पादों की बिक्री भी खूब हुए थी। इन्हे उम्मीद है की इस बार बिक्री में